Conferences and publicity programmes by Air India

756. SHRI MENTAY PADMANABHAM; Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Air India has hosted lavish conferences and publicity programmes in Bombay;

(b) whether it is also a fact that his Ministry have imposed restrictions on such expenditure on Air India;

(c) what steps are being taken to improve the service and reduce administrative overheads; and

(d) what are the details of any substantive measures taken, since 1st January, 1991 to improve functioning of Air India?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MA-DHAV RAO SCINDIA): (a) and (b) Air India is conscious of the Government instructions on economy in expenditure. However, Air India, as an airline operating in a fiercely competitive environment has to protect and promote its commercial interests. The endeavour always is to keep publicity programmes professional and business like.

(c) and (d) Greater emphasis is being given to on-time performance, training of staff, better inflight service and entertainment, better co-ordination/atten-tion to passenger grievances at airports. Instructions have been issued to effect 20 per cent cut in an fuel expenses, electricity charges, communication and entertainment to reduce overhead costs.

राजस्थान के महत्वपूर्ण जिलों के लिए विमान सेवा सुविधा

757. डा० अबरार अहमद : क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान के सांगनेर हवाई अड्डे को शीघ्र ही अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा बना दिया जायेगा; यदि हां तो कब तक और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ;

(ख) क्या सवाई माधोपुर और अजमेर सहित राजस्थान के कतिपय जिलों को शीघ्र ही विमान सेवाओं से जोड़ा जा रहा है; यदि हां तो कब तक; और

(ग) क्या माननीय मंत्री महोदय को इस बात की जानकारी है कि देश में पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केन्द्र होने के बावजूद राजस्थान में विमान सेवायें अपर्याप्त हैं; यदि हां तो इसके क्या कारण हैं ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) जी नहीं । वर्तमान पांच अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे अन्तर्राष्ट्रीय यातायात की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त समझे गये हैं ।

(ख) परिचालनात्मक और वाणिज्यिक कारणों से और वित्तीय कठिनाइयों के कारण, इस समय नये स्टेशनों को विमान सेवा से जोड़ने का कोई प्रस्ताव नहीं है ।

(ग) जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, जैसलमेर विमान सेवाओं से जुड़े हुए हैं । जब और जैसे ही विमानों की उपलब्धता में सुधार होगा तो किसी भी प्रकार की कमी को पूरा किया जाएगा ।

Pilots of Vayndoot flying aircrafts of private companies

758. SHRI SOM PAL:

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA:

Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some of the pilots of Vayudoot have been flying aeroplain belonging to some private companies;

(b) if so, what are the details of the agreement, if any entered into by Government in this regard;